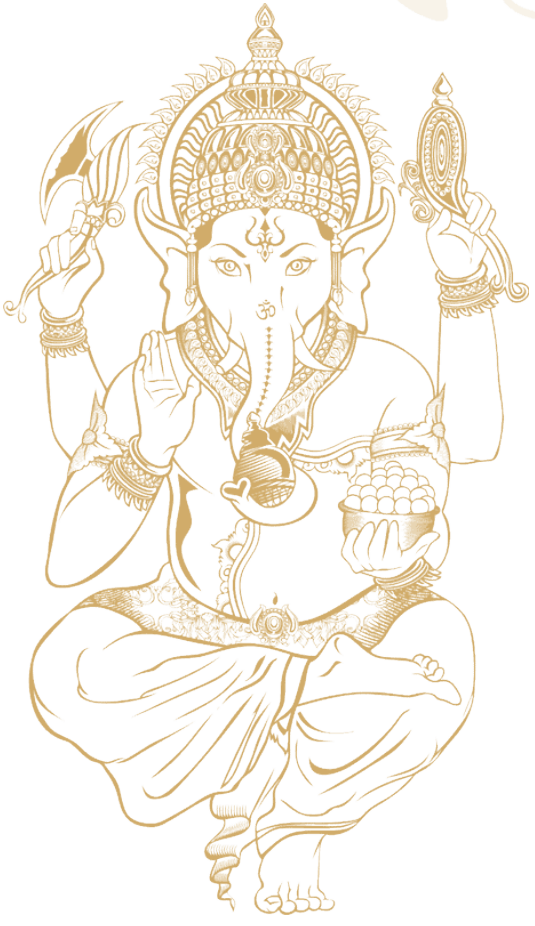

Kirti chandwani

03 Jan 2007

04:14 PM

Banaras

Model: web-freekundliweb

Order No: 120921503

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/01/2007**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**16:14:00 घंटे**
इष्ट	23:43:57 घटी
स्थान	**Banaras**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:20:00 उत्तर
रेखांश	83:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:16:00 घंटे
वेलान्तर	-00:04:15 घंटे
साम्पातिक काल	23:06:43 घंटे
सूर्योदय	06:44:25 घंटे
सूर्यास्त	17:20:22 घंटे
दिनमान	10:35:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:42:42 धनु
लग्न के अंश	04:41:17 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ऐन्द्र
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सिंह
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	छ-छवि
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	04:41:17	332:48:03	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			धनु	18:42:42	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	17:02:52	13:25:46	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	26:14:44	00:43:31	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	स्वराशि
बुध		अ	धनु	16:27:14	01:36:01	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	14:44:17	00:12:11	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मक	05:10:04	01:15:10	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि	व		सिंह	00:23:17	00:02:59	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	24:25:24	00:11:29	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:25:24	00:11:29	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	17:40:03	00:02:08	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	---
नेप			मक	24:14:11	00:01:56	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	03:09:36	00:02:10	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
दशम भाव			कुंभ	21:34:31	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:21

लग्न-चलित

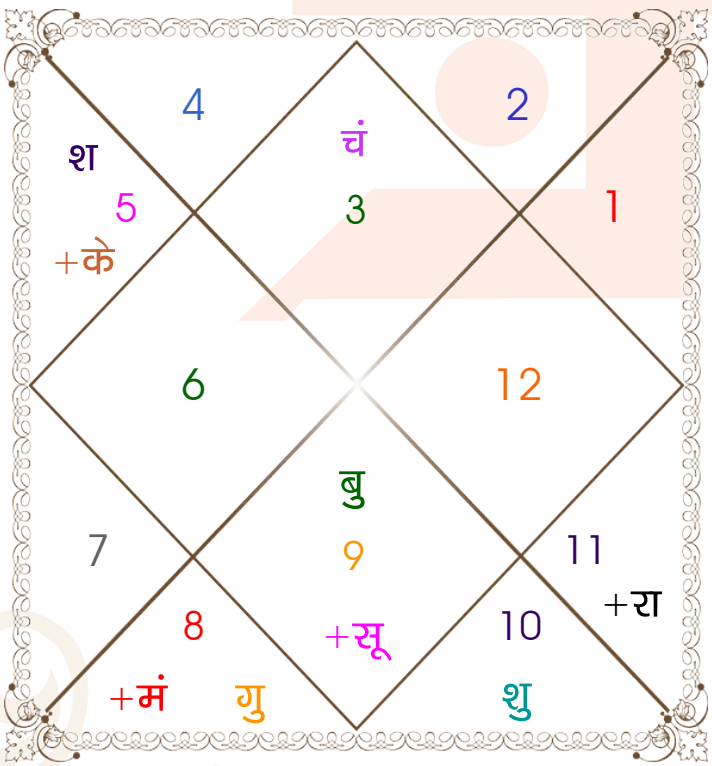

चन्द्र कुंडली

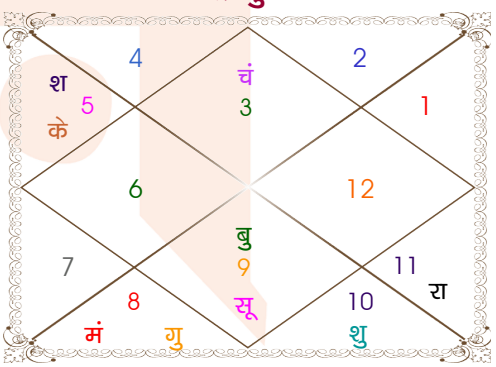

नवमांश कुंडली

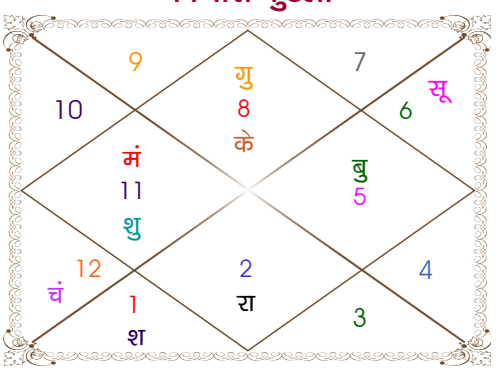

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 3 वर्ष 11 मास 25 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/01/2007		29/12/2010		29/12/2026		29/12/2045		29/12/2062	
29/12/2010		29/12/2026		29/12/2045		29/12/2062		29/12/2069	
	00/00/0000	गुरु	15/02/2013	शनि	01/01/2030	बुध	26/05/2048	केतु	27/05/2063
	00/00/0000	शनि	29/08/2015	बुध	10/09/2032	केतु	24/05/2049	शुक्र	26/07/2064
	00/00/0000	बुध	04/12/2017	केतु	20/10/2033	शुक्र	23/03/2052	सूर्य	01/12/2064
	00/00/0000	केतु	10/11/2018	शुक्र	19/12/2036	सूर्य	28/01/2053	चंद्र	02/07/2065
	03/01/2007	शुक्र	11/07/2021	सूर्य	01/12/2037	चंद्र	29/06/2054	मंगल	28/11/2065
शुक्र	18/07/2007	सूर्य	29/04/2022	चंद्र	03/07/2039	मंगल	26/06/2055	राहु	17/12/2066
सूर्य	11/06/2008	चंद्र	29/08/2023	मंगल	10/08/2040	राहु	13/01/2058	गुरु	23/11/2067
चंद्र	10/12/2009	मंगल	04/08/2024	राहु	17/06/2043	गुरु	20/04/2060	शनि	31/12/2068
मंगल	29/12/2010	राहु	29/12/2026	गुरु	29/12/2045	शनि	29/12/2062	बुध	29/12/2069

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
29/12/2069		29/12/2089		29/12/2095		30/12/2105		29/12/2112	
29/12/2089		29/12/2095		30/12/2105		29/12/2112		00/00/0000	
शुक्र	29/04/2073	सूर्य	17/04/2090	चंद्र	29/10/2096	मंगल	28/05/2106	राहु	12/09/2115
सूर्य	29/04/2074	चंद्र	17/10/2090	मंगल	30/05/2097	राहु	15/06/2107	गुरु	04/02/2118
चंद्र	29/12/2075	मंगल	22/02/2091	राहु	28/11/2098	गुरु	21/05/2108	शनि	11/12/2120
मंगल	27/02/2077	राहु	16/01/2092	गुरु	30/03/2100	शनि	30/06/2109	बुध	01/07/2123
राहु	28/02/2080	गुरु	04/11/2092	शनि	30/10/2101	बुध	27/06/2110	केतु	18/07/2124
गुरु	29/10/2082	शनि	17/10/2093	बुध	31/03/2103	केतु	23/11/2110	शुक्र	04/01/2127
शनि	29/12/2085	बुध	23/08/2094	केतु	30/10/2103	शुक्र	24/01/2112		00/00/0000
बुध	29/10/2088	केतु	29/12/2094	शुक्र	30/06/2105	सूर्य	30/05/2112		00/00/0000
केतु	29/12/2089	शुक्र	29/12/2095	सूर्य	30/12/2105	चंद्र	29/12/2112		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 4 वर्ष 0 मा 6 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगी तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगी।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबली लंबी एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखती हैं। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपने पति के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेती हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देती हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रौबिले कार्य कलाप से जीवन संगी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेती हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाती हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देती हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाती हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगी। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीली तथा अपव्ययकारी हो जाती हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करती हैं। आपके असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकना प्रमाणित करेंगे।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर

आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं।

अतः आप ऐसा सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिक्कतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली की विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।